बुधवार
18 फरवरी 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 26
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दून कोर्ट को बम की धमकी!

आरोपी को तलाश कर कार्रवाही की जायेगीः डोबाल

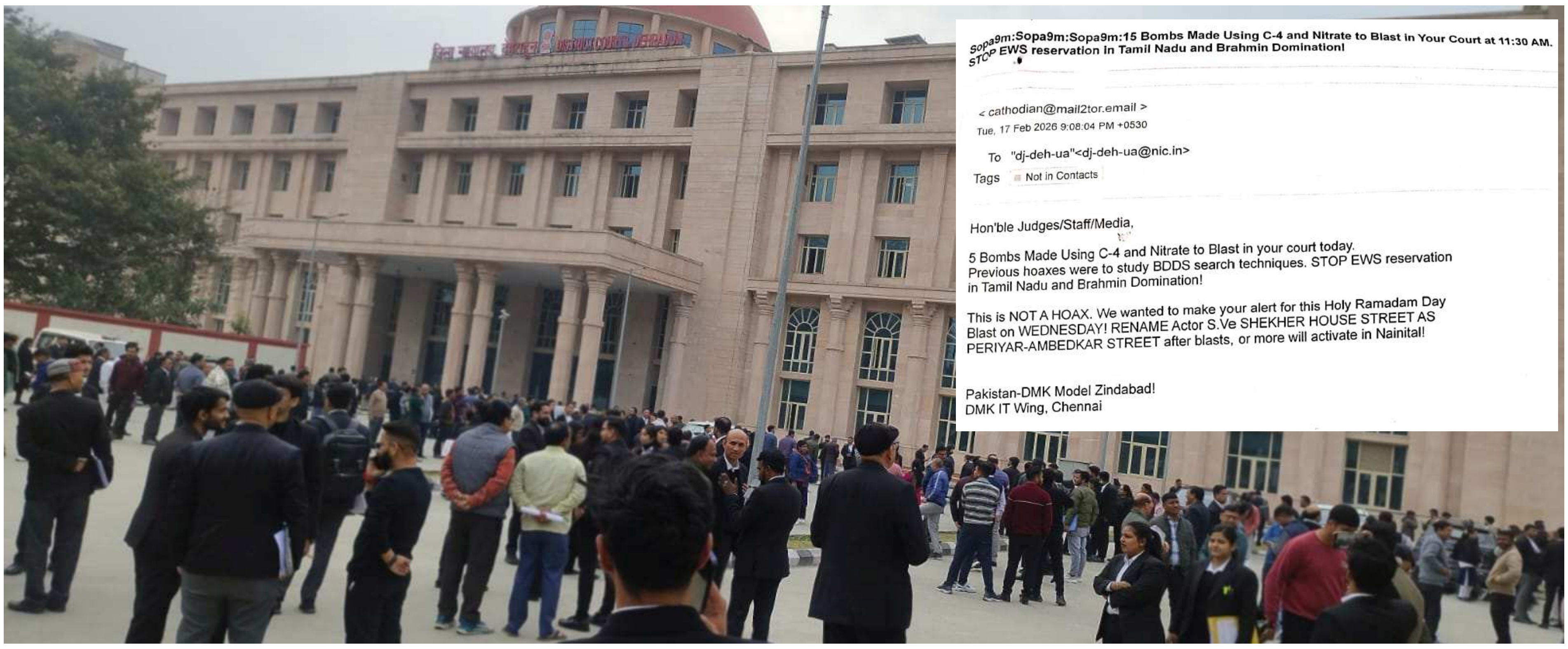

संवाददाता

देहरादून। दून की जिला न्यायालय को बम से उडाने की धमकी देने की सूचना मिलते ही कचहरी परिसर में हडकम्प मच गया और आनन-फानन में कचहरी परिसर से कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व अन्य लोगों को बाहर किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बम निरोधक दस्ते ने पूरी कचहरी परिसर को खंगाल लिया लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ कार्रवाही की जायेगी।

मिली जानकारी के अनुसार आज प्रातः जिला न्यायालय की मेल पर एक मेल आयी जिसमें मेल करने वाले ने साफ धमकी दी कि कोर्ट परिसर में पांच बम लगाये गये हैं तथा उन बमों से कोर्ट परिसर को उडा दिया जायेगा। यह मेल मिलते ही कचहरी परिसर में हडकम्प मच गया और आनन फानन में कोर्ट परिसर से कर्मचारियों व अधिवक्ताओं को बाहर निकाला गया। कोर्ट परिसर में बम की सूचना से ही वहां से कुछ दूरी पर लोगों का हुजुम एकत्रि हो गया। कचहरी परिसर को बम से उडाने की धमकी मिलने की जिसमे यह भी कहा गया है कि तमिलनाडु में ईडब्लूएस एक्टर एसवी शेखर की गली का नाम बदलकर पेरयिार- अम्बेडकर स्ट्रीट किया जाये और तमिलनाडु में ईडब्ल्यूएस रिजर्वेशन को तुरंत रोका जाए। सबसे आखिरी में पाकिस्तान डीएमके मॉडल जिन्दाबाद, डीएमके आईटी विंग चैन्नई इसके नीचे भी तमिल टाईगर ऑफ ईलम एण्ड पाकिस्तान आईएसआई लिखा हुआ था। सूचना मिलते ही एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने पुलिस व बम निरोधक दस्ते को मौके पर डॉग स्कावर्ड के साथ भेजा। पुलिस व बम निरोधक दस्ते ने पूरा कचहरी परिसर खंगाल दिया लेकिन बम का कुछ पता नहीं चला जिसके बाद उसको मात्र अफवाह मान लिया गया। इससे पूर्व हरिद्वार, टिहरी, रूद्रप्रयाग और जिला कोर्ट को बम से उडाने की धमकी दी गयी थी। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपी को शीघ्र पकडकर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाही की जायेगी।

●न्यायालय में सुरक्षा बढ़ी

बम की सूचना पर बीडीएस व पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। न्यायालय परिसर में बम होने की सूचना पर पुलिस व बीडीएस द्वारा न्यायालय परिसर को खाली कराते हुए चैकिंग अभियान चलाया गया है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार आज जिला एवं सत्र न्यायालय रोशनाबाद परिसर में बम होने की सूचना पर बीडीएस टीम एवं सिडकुल पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया है। अभियान के दौरान न्यायालय परिसर में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन तलाशी ली गई। डॉग स्क्वॉड एवं मेटल डिटेक्टर के माध्यम से संदिग्ध वस्तुओं की जांच की गई तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस टीम द्वारा न्यायालय परिसर में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया गया, जिससे आमजन एवं अधिवक्ताओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। जनपद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संवेदनशील स्थानों पर समय-समय पर इस प्रकार के चेकिंग अभियान चलाए जाते रहेंगे, ताकि कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या सुरक्षित नहीं रहे न्यायालय परिसर?

पिछले तीन दिनों से उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न न्यायालयो की सुरक्षा को लेकर कई खबरें सामने आ रही है। जिसे देखते हुए शासन-प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से पहले नैनीताल व उत्तरकाशी जिलों के न्यायालयों मे बम रखे जाने की खबरे सामने आयी थी। जिसके बाद वहां के जिला प्रशासनों ने न्यायालय परिसरों को खाली करवा कर गहन छानबीन की लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया। जिसके बाद शासन-प्रशासन ने राहत की सांस ली। अभी इस खबर को 24 घंटे भी नही हुए थे कि एक बार फिर किसी अज्ञात स र्सि द्वारा टिहरी, हरिद्वार तथा रूद्रप्रयाग जिलो को ऐसा ही ई-मेल मिला जिसमें वहां के न्यायालय परिसरों में बम रखे जाने की सूचना दी गयी थी। जिसके बाद एक बार फिर पुलिस व प्रशासन सक्रिय हुआ और उसने आनन-फानन में कोर्ट परिसरो को खाली करवा कर चैकिंग अभियान चलाया। लेकिन कड़ी जांच के बाद भी उन सभी जगहों से ऐसी कोई संदिग्ध वस्तू नहीं मिल सकी कि जिसके बारे मे कोई जानकारी दी जा सके। दो दिनों की इन सभी घटनाओं के बारे में सोचा जाये तो ऐसा लगता है कि यह कोई बड़ा साइबर अपराधी है जिसका पता लगाने में मित्र पुलिस नाकामयाब हो रही है। साथ ही इस अपराध के पीछे कोई ऐसा मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति है जो या तो सिर्फ पुलिस प्रशासन को परेशान रखना चाहता है या फिर वह करना और कुछ चाहता है और कर कुछ और रहा है। जिससे वह शासन-प्रशासन को बेवकूफ बना कर अपना उद्देश्य पूरा कर सके। असल में इन सभी बातों का उद्देश्य क्या है इसका पता लगाने के लिए शासन प्रशासन को इसकी गहन जांच की जरूरत है नहीं तो इसकी वजह से न्यायालयों में न्याय पालिका और आम जिन्दगी में हर व्यक्ति को आये दिन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

'वनाअग्नि से रोकथाम' विषय पर वन पंचायत गिनी में एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

कार्यालय संवाददाता

नाचनी। पिथौरागढ़ वन प्रभाग के तत्वाधान में बुधवार को वन पंचायत गिनी में वनाअग्नि से रोकथाम विषय पर आयोजित गोष्ठी में ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे वनो को आग से बचाने के लिए एक नया मॉडल विकसित करेंगे और 24 घंटे वनों को आग से बचाने के लिए तैयार रहेंगे। वनो को आग से बचाने के लिए वन विभाग का जागरुकता अभियान के तहत गांव-गांव में जाकर समुदाय से बातचीत की जा रही है। उत्तराखंड वन विभाग ने 15 फरवरी से 15 जून तक वनाअग्नि के लिए संवेदनशील समय घोषित किया है।

प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह के निर्देशन में पंचायत घर में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी ग्राम प्रधान प्रमोद सिंह मेहरा की अध्यक्षता में हुई।

वन दरोगा त्रिलोक सिंह राना ने कहा कि जंगलों को आग से बचाने के लिए वन विभाग आम जनता को इस अभियान का हिस्सा बना रही है। उन्होंने कहा कि वन पंचायत इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

वन पंचायत के सरपंच देव सिंह राना ने कहा कि आग की सूचना देने तथा आग बुझाने के लिए जो हकदार भूमिका निभाएंगे, उन्हें वन पंचायत की ओर सम्मानित भी किया जाएगा।

संचालक संस्था सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया के अध्यक्ष जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि आग को नियंत्रित कर जंगल को बचाने के लिए मुनस्यारी मॉडल विकसित करने के लिए वन पंचायत के हकदारों को इस अभियान में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने आव्हान किया कि हम अपने आने वाली पीढ़ी के लिए धन दौलत के साथ-साथ जंगल तथा पानी को भी संरक्षित करने के लिए वनो को आग से बचाए। एक दिवसीय संगोष्ठी में वन पंचायत के हकदारों ने संकल्प लिया कि वे जंगल को आग से बचाने के लिए 24 घंटे तत्पर रहेंगे।

इस अवसर पर तेज सिंह दानू, धन सिंह, प्रेम सिंह राणा, पूर्व प्रधान नेत्र राम, पूर्व सरपंच तेज सिंह मेहरा, चंचल सिंह, नरेंद्र सिंह मेहरा, जय सिंह सोरागी, प्रेम राम, चंचल राणा, प्रेम सिंह दानू,गोपाल सिंह नेगी, रेवती देवी,कुसुमाग्रज देवी, इन्द्रा देवी, मोहनी देवी, मोतिमा देवी, नारायणी देवी आदि उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में चरस के साथ दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। नशा तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से तस्करी कर लायी गयी एक किलो से अधिक चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड प्रदेश को नशामुक्त उत्तराखण्ड बनाये जाने के निर्देशों के क्रम में जनपद बागेश्वर में जितेंद्र मेहरा, पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के निर्देशानुसार तथा क्षेत्राधिकारी बागेश्वर अजय साह के पर्यवेक्षण में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी/बिक्री की रोकथाम हेतु बागेश्वर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चैंकिंग अभियान के तहत एसओजी व कोतवाली बागेश्वर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा नीलकंठ रेस्टोरेन्ट छाती काण्डा रोड के पास चैकिंग के दौरान आरापी नरेन्द्र सिंह कोरंगा पुत्र नन्दन सिंह के कब्जे से 774 ग्राम चरस व मोटरसाइकिल से परिवहन करते हुए आरोपी महेश सिंह मेहता पुत्र प्रेम सिंह के कब्जे से 626 ग्राम अवैध चरस वाहन आल्टो कार से परिवहन करते हुए बरामद कर गिरफ्तार किया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ऑनलाइन पेंशन फार्म भरवाने का झांसा देकर ठगे 6.5 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन पेंशन फार्म भरवाने का झांसा देकर साढे छह लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमन विहार निरंजनपुर निवासी महेश पाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आया और उसको ऑनलाइन पेंशन फार्म भराने के नाम पर छह लाख 66 हजार 200 ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने बीडीएस स्कूल के सामने खण्डर में एक युवक को संदिग्ध स्थिति में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे सो 230 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शाजेब पुत्रमुबिददीन निवासी नई बस्ती बिजनौर हाल पता रामपुर सहसपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एसएसपी के निर्देश पर अलर्ट मोड पर पुलिस

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी के निर्देश पर दून पुलिस अलर्ट मोड पर आ गयी जिसके चलते सुबह से ही सम्पूर्ण जनपद में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।

आज यहां एसएसपी देहरादून द्वारा

❑प्रातः से ही दून पुलिस द्वारा चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान

सभी थाना प्रभारियों को आम जन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की विजिबिलिटी बढ़ाने तथा सम्पूर्ण जनपद में संदिग्धों की तलाश हेतु सभी थाना क्षेत्रों में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है, उक्त निर्देशों के अनुपालन में तड़के प्रातः से ही जनपद के नगर तथा देहात के सभी थाना क्षेत्रों में सम्बन्धित क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमो द्वारा सभी सीमावर्ती चैक पोस्टों/आन्तरिक मार्गों व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर भी आकस्मिक रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान पुलिस द्वारा जनपद में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों/ वाहनो की चेकिंग के साथ- साथ आंतरिक मार्गो पर भी संदिग्ध व्यक्तियों/ वाहनो की सघन चेकिंग सुनिश्चित की जा रही है, साथ ही संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।

यूनो एसबीआई एप का कर्मचारी बताकर ठगे पांच लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। यूनों एसबीआई एप्प का कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर पांच लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वाटिका एन्कलेव झाझरा निवासी अशोक कुमार गुप्ता ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपने आपको यूनो एसबीआई एप्प का कस्टमर केयर कर्मचारी बताकर एपीके डाउनलोड कराकर उसके खाते से चार लाख 99 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चौरंगीखाल में फैब्रिकेटेड शौचालय पड़ा है क्षतिग्रस्त

नई टिहरी(आरएनएस)। चौरंगीखाल बाजार में प्रशासन की ओर से एक शौचालय की व्यवस्था नहीं की गई है जिससे पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यटन विभाग की ओर से एक फैब्रिकेटेड शौचालय लगाया गया था लेकिन वह देखरेख न होने से जर्जर बना है। स्थानीय निवासी अनिल नौटियाल, कुंवर सिंह, राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि चौरंगीखाल जनपद का सबसे नजदीक का पर्यटन स्थल है। वहां पर हर दिन जनपद मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से पर्यटक पहुंचते हैं। इसके साथ ही यह नचिकेता ताल ट्रैक का भी मुख्य द्वार है। साथ ही बर्फबारी के दौरान यहां पर पर्यटकों का अच्छी भीड़ उमड़ती है। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री से केदारनाथ जाने वाले हजारों यात्री यहां पर रुकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धौंतरी क्षेत्र के लोगों का भी यह मुख्य स्टेशन है लेकिन यहां पर स्वच्छता के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। प्रशासन की ओर से एक सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था वहां पर नहीं की गई है। इसलिए वहां पर पर्यटकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लोगों को जंगल में खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है।

न हुआ मार्ग का डामरीकरण, न मिला भूमि का मुआवजा

कोटद्वार(आरएनएस)। बीरोंखाल ब्लॉक के तहत मटेला-कोरकंडाई-बयेडा-कठपतिया मोटर मार्ग का निर्माण 15 वर्ष बीतने के बाद भी पूरा नहीं हुआ है। बयेडा से कठपतिया के बीच सड़क नहीं बनने से ग्रामीण परेशान हैं। वहीं, इस बीच ग्रामीणों को अधिग्रहित नापखेत की भूमि का मुआवजा भी नहीं मिला है। डामरीकरण नहीं होने से मार्ग से जुड़े 18 गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। वर्ष 2010 में मटेला, रणगेरा, कोरकंडाई, कफलगैर, बयेडा तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया था लेकिन 15 साल बीतने पर भी न तो मोटर मार्ग का डामरीकरण हुआ है और न ही सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित नापखेतों का मुआवजा ग्रामीणों को मिला है। सड़क का मिलान कठपतिया तक होना था लेकिन अभी तक सड़क का मिलान भी नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मांग ग्रामीणों ने इसलिए की थी कि कठपतिया तक मिलान होने पर ग्रामीणों को कुमाऊं जाने में आसानी होगी व दिल्ली-रामनगर की दूरी घटेगी। विभाग ने न तो सड़क पूरी बनाई और न ही अभी तक डामरीकरण ही हो पाया है।

इसी महीने खर्च करें जिला योजना का बजट- डीएम

हरिद्वार(आरएनएस)। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा है कि जिन विभागों ने अब तक स्वीकृत बजट खर्च नहीं किया, वे 28 फरवरी तक अवशेष राशि का अनिवार्य रूप से व्यय सुनिश्चित करें। अन्यथा शेष बजट दूसरे विभाग को दे दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी उस अफसर की होगी। डीएम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की जिला योजना के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि को लेकर समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता से पूरी करने के निर्देश दिए। व्यय प्रमाण पत्र समय पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। इस बैठक में एडीएम पीआर चौहान, डीडीओ वेद प्रकाश, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, पेयजल निगम (गंगा) की प्रोजेक्ट मैनेजर मीनाक्षी मित्तल आदि मौजूद रहे।

तो बेटियों के लापता होने के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं

हल्द्वानी(आरएनएस)। लगातार लापता हो रही बेटियां और बहुएं कई सवाल छोड़कर जा रही हैं। बच्चों के गायब होने पर बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी भी की थी कि इनके लापता होने के पीछे कोई बड़ा नेटवर्ट तो नहीं। अब कुमाऊं की पुलिस और तेजी से लापता बहू-बेटियों की तलाश में जुट गया है। हाल ही में गायब हुई 35 की तलाश अभी जारी है। पिछले साल 2025 में लापता 115 बहू-बेटियों में से पुलिस ने दिसंबर तक 80 को खोजकर उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया था। मां-बाप की डांट फटकार, मानसिक रुप से बीमार, भटककर ये लोग लापता हो गए थे। लेकिन पुलिस की सक्रियता से 80 को बरामद कर लिया। अब केवल 35 की तलाश जारी है। देश के आठ से दस राज्यों में दबिश देने के बाद इनका सुराग लगा। ये की थी सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों के लापता होने के गंभीर मामले में टिप्पणी करते हुए कहा था कि कहां और क्यों लापता हो रहे बच्चे, इसका पता लगाएं। यह भी कहा था कि लापता के पीछे किसी देशव्यापी नेटवर्क का हाथ तो नहीं, इसका भी सुराग लगाने के राज्यों को निर्देश दिए थे। नेपाल सीमा होने से मानव तस्करी का रहता है खतरा कुमाऊं के तीन जिले चम्पावत, पिथौरागढ़ और यूएस नगर नेपाल से लगे हैं। जिस कारण बच्चों के लापता होने के पीछे मानव तस्करी के हाथ होने की आशंका अधिक रहती है। कई बच्चियां पूर्व में नेपाल से भी बरामद की गई हैं।

बेस अस्पताल में अब खुल जाएगी नेत्र विशेषज्ञ की दूसरी ओपीडी

कोटद्वार(आरएनएस)। राजकीय बेस अस्पताल में कोटद्वार के अलावा दूरदराज क्षेत्रों से आंखों की समस्या लेकर आने वाले मरीजों को अक्सर भटकने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

विशेषज्ञ के ऑपरेशन एवं अन्यत्र ड्यूटी पर जाने अथवा अवकाश पर होने के दौरान सामान्य रूप से ओपीडी प्रभावित होती है। अब ऐसा नहीं होगा। आगामी दिनों में नेत्र विशेषज्ञ की दूसरी ओपीडी भी संचालित होगी। बेस अस्पताल के ट्रामा सेंटर भवन परिसर में नेत्र विशेषज्ञ की ओपीडी संचालित होती है।

यहां रोजाना औसतन 40 से 50 मरीज आंखों की प्राथमिक जांच, उपचार आदि के लिए पहुंचते हैं। सर्जन डॉ. डीके सिंह में अधिकांश मरीज स्वास्थ्य लाभ पाते हैं लेकिन कुछ मरीजों की आंखों में समस्या अधिक होने पर उनका ऑपरेशन भी किया जाता है। एकमात्र नेत्र सर्जन होने के चलते डॉ. डीके सिंह को ही ओपीडी के साथ-साथ ऑपरेशन भी करने होते हैं।

आंखों के ऑपरेशन के लिए मंगलवार और बृहस्पतिवार का दिन निर्धारित है। चिकित्सक बताते हैं कि एक दिन में आंखों के चार से पांच ऑपरेशन हो जाते हैं। वहीं, नेत्र विशेषज्ञ के ऑपरेशन में होने, जनमानस के लिए लगने वाले शिविर में जाने, पोस्टमार्टम या वीआईपी ड्यूटी में होने, अवकाश पर रहने के दौरान ओपीडी बंद होने पर अस्पताल आने वाले मरीजों को चिकित्सीय सेवा से वंचित होना पड़ता है। हालांकि डॉ. डीके सिंह का कहना है कि मरीजों से व्यापक संपर्क बनाकर उन्हें भटकने नहीं दिया जाता है।

बेस अस्पताल में नेत्र जांच ओपीडी ही एकल चिकित्सक के भरोसे चल रही है। अन्य सभी ओपीडी में दो-दो विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती है। निदेशालय ने इस कमी को पूरा करते हुए विगत माह नेत्र विशेषज्ञ को राजकीय बेस अस्पताल भेजा गया था, लेकिन उस समय चिकित्सक ने ज्वाइनिंग नहीं ली थी। उनका लाभ मरीजों को नहीं मिल सका।

सतपुली में लकड़ी से लदा ट्रक सीज, चालक गिरफ्तार

कोटद्वार(आरएनएस)। सतपुली थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान शाम देवप्रयाग रोड पर अवैध रूप से लकड़ी भरकर ले जा रहे एक ट्रक को रोक लिया। अवैध लकड़ी की पुष्टि होने पर ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ भारतीय वन अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। लकड़ी से लदे ट्रक को सीज कर दिया गया है। ट्रक से बरामद लकड़ी का बाजार मूल्य करीब दो लाख रुपये आंका गया है। सतपुली थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में थाना सतपुली पुलिस टीम द्वारा रविवार शाम को देवप्रयाग रोड पर सघन एवं प्रभावी वाहन चेकिंग की गई। दौरान पुलिस ने एक ट्रक को रोककर उसकी जांच की। जांच के दौरान उक्त वाहन लकड़ी से लदा हुआ पाया गया। वाहन चालक से परिवहन की जा रही लकड़ी के संबंध में वैध पत्र एवं विभागीय अनुमति दिखाने के लिए कहा गया, जिस पर चालक मौके पर कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। प्रथम दृष्टया लकड़ी का परिवहन अवैध पाए जाने पर पुलिस टीम ने लकड़ी से लदे ट्रक को सीज कर दिया। रुड़की जिला हरिद्वार निवासी ट्रक चालक हसन अली को गिरफ्तार कर उसके संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष पंकज कुमार के अलावा हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह, होमगार्ड देवेंद्र सिंह शामिल रहे।

बिजली का कनेक्शन लेने में बीत गया दो माह का समय

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक के श्रीकोट क्षेत्र के लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) की सेवाएं शुरू होने के लिए अब 31 मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है। निर्माणाधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भवन निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने भवन को हैंडओवर लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने पहले दिसंबर से केंद्र का संचालन करने की बात कही थी लेकिन पानी और बिजली का कनेक्शन लेने की प्रक्रिया तय समय पर पूरा न होने से लोकार्पण की तिथि भी पीछे खिसकती रही। श्रीकोट में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वर्ष 2020 में सरकार ने केंद्र के लिए 42.47 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी, लेकिन भूमि के अभाव में यह प्रोजेक्ट अटका हुआ था। गत वर्ष श्रीकोट गांव निवासी रणवीर सिंह बिष्ट ने स्वास्थ्य विभाग को अपनी दो नाली भूमि दान देकर इस कार्य को गति दी थी। कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग के जेई पंकज राणा ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अब पूरा हो चुका है। बिजली का कनेक्शन लेने के लिए विभाग ने आवेदन किया है। अब तक श्रीकोट क्षेत्र के लोगो को बुखार, सिरदर्द की दवाई लेने के लिए भी 30 किमी दूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग का रुख करना पड़ता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर किया प्रदर्शन

रुद्रपुर(आरएनएस)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला कार्यक्रम अधिकारी को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं का कहना था कि उत्तराखंड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लंबे समय से विभिन्न समस्याओं से जूझ रही हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार द्वारा उनके मानदेय में 140 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि की जाए तथा केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रतिदिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा जाए। कार्यकर्ताओं ने मांग उठाई कि बिना किसी अतिरिक्त अर्हता के सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये देने संबंधी शासनादेश जारी होने के बाद ही विभाग द्वारा 300 रुपये मासिक कटौती का प्रस्ताव लागू किया जाए। जब तक इस संबंध में स्पष्ट शासनादेश जारी नहीं होता, तब तक उनके खातों से 300 रुपये की कटौती न की जाए। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक मशीन से न जोड़ने की मांग की। धरना-प्रदर्शन में आंगनबाड़ी सेविका मिनी कर्मचारी संगठन की जिलाध्यक्ष चंद्रावती, महामंत्री शाहजहां, ब्लॉक अध्यक्ष मुन्नी ठाकुर, प्रदेश सदस्य कुसुम लता, राजकुमारी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

कुमाऊं में बेखौफ घूम रहे 600 पेशेवर अपराधी

हल्द्वानी(आरएनएस)। राजधानी देहरादून में लगातार दो और हल्द्वानी में एक दोहरे हत्याकांड से प्रदेश इस वक्त चर्चाओं में है।

दून में गैंगस्टर की हत्या हुई जबकि हल्द्वानी में डबल मर्डर का मुख्य आरोपी एक गैंगस्टर ही था। जिसके बाद पुलिस कानून व्यवस्था बनाने में जुट गई है। विभिन्न अपराधों में शामिल हुए छह सौ से अधिक कुमाऊं के हिस्ट्रीशीटरों पर गहन नजर है, जो जमानत पर बाहर घूम रहे हैं। आरटीआई (सूचना का अधिकार) के तहत मांगी गई सूचना के मुताबिक कुमाऊं में 783 हिस्ट्रीशीटर दर्ज हैं। जिनमें से वर्तमान में 75 जेल में हैं जबकि 84 लापता चल रहे हैं। कुछ की मौत हो चुकी है। छह सौ हिस्ट्रीशीटर जमानत पर जेल से बाहर हैं। इन पर हत्या, लूट, चोरी, डकैती, मारपीट, बलवा, धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। अब पुलिस लगातार बढ़ रही घटनाओं के बाद से सजग हो गई और हिस्ट्रीशीटरों के सत्यापन में जुट गई है। बाहर जमानत पर छूटे हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों को तलाशकर निगरानी की जा रही है। वर्तमान में कौन कहां और क्या काम कर रहे हैं, यह भी पता कराया जा रहा है। 5 हजार से 50 हजार तक के 91 इनामी अपराधी फरार आरटीआई के मुताबिक इनामी अपराधियों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त पुलिस के पास है। कुल 91 इनामी अपराधी हैं जो कि लंबे समय से फरार चल रहे हैं। इन पर पांच हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक का इनाम रखा है। इनकी भी तफ्तीश की जा रही है। पांच से अधिक मुकदमों में खोली जाती है हिस्ट्रीशीट अगर किसी आरोपी पर पांच या इससे अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते हैं तो उनकी पुलिस हिस्ट्रीशीट खोल देती है। जिसके बाद इनकी लगातार निगरानी, परेड और गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। ताकि किसी अन्य मामलों या अपराधों में ये सक्रिय न रहें।

क्या आपको है शॉपिंग की लत? इन तरीकों से जल्द मिलेगा छुटकारा

अधिकतर लोग खरीदारी करना पसंद करते हैं। हालांकि, जब यह एक आदत बन जाती है तो इससे आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा खरीदारी करते हैं तो इससे आपकी बचत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और जेब खाली हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप खरीदारी की लत से छुटकारा पा सकते हैं और अपने खर्चों को नियंत्रित कर सकते हैं।

बजट बनाएं और उसका पालन करें- खरीदारी की लत से छुटकारा पाने के लिए सबसे पहले एक बजट बनाएं और उसका पालन करें। अपनी मासिक आय और खर्चों का अंदाजा लगाएं और तय करें कि आप कितनी राशि खरीदारी पर खर्च कर सकते हैं। इससे आपको अपने खर्चों का सही अंदाजा होगा और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इसके अलावा बजट बनाने से आप अपनी बचत को भी बढ़ा सकते हैं और आर्थिक स्थिरता पा सकते हैं।

सूची बनाकर खरीदारी करें- खरीदारी करने से पहले एक सूची बनाएं और उसी के अनुसार सामान खरीदें। बिना योजना के बाजार जाने से आप अनावश्यक चीजें खरीद सकते हैं, जो आपके बजट को बिगाड़ सकती हैं। इसके अलावा सूची बनाकर खरीदारी करने से आपका समय भी बचेगा और आप अधिक व्यवस्थित रहेंगे। इससे आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इस तरह से आप अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं।

ऑनलाइन खरीदारी वाले ऐप हटाएं- अगर आपको ऑनलाइन खरीदारी करने की आदत है तो अपने फोन या कंप्यूटर से सभी ऑनलाइन खरीदारी वाले ऐप को हटा दें। इनकी मौजूदगी आपके लिए लालच का कारण बन सकती है और आप बिना जरूरत के चीजें खरीद सकते हैं। इसके अलावा इन ऐप को हटाने से आप अपनी बचत को सुरक्षित रख सकेंगे और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। अगर आप ऐप हटाना नहीं चाहते हैं तो उनके नोटिफिकेशन को बंद रखें।

खरीदारी करने का समय तय करें- खरीदारी करने का एक निश्चित समय तय करें और उससे बाहर न जाएं। उदाहरण के लिए सप्ताह में एक बार या महीने में एक बार ही खरीदारी करने का समय होना चाहिए। इससे आपकी खरीदारी की आदत नियंत्रित रहेगी और आप बेवजह पैसे लुटाने से बचे रहेंगे। अगर संभव हो तो महीने में एक बार ही घर का सारा जरूरी सामान खरीद लाएं। इससे आपको बीच में चीजें लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी और फिजूल खर्ची भी नहीं होगी।

भावनात्मक कारणों से खरीदारी करने से बचें- अक्सर लोग तनाव, उदासी या अकेलेपन जैसे भावनात्मक कारणों से खरीदारी कर लेते हैं। इन भावनाओं को समझें और उनसे निपटने के लिए अन्य तरीके अपनाएं। आप खरीदारी के बजाय योग, ध्यान या दोस्तों के साथ समय बिताना चुन सकते हैं। इस तरह आप अपनी खरीदारी की आदत को नियंत्रित रख सकेंगे और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और आप अधिक संतुलित जीवन जी पाएंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को दिया अंजाम , वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

तारा शंकर

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

आजीविका मूलक गतिविधियों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।

चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़

वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा- मनहेर तारम

चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है।

इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविका मूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं, जबकि वह निरक्षर है।

वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड़दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है। वहीं शिक्षकां के द्वारा प्राथमिक शिक्षा का भी वह लाभ ले रही हैं। इसी तरह कैंप में रह रहे जगदेव कोमरा, राजू नुरूटी, बीरसिंह मण्डावी, मैनू नेगी, सनऊ गावड़े, मानकी नेताम, सामको नुरूटी, उंगी कोर्राम, रमोती कवाची, मानकेर हुपेंडी, डाली सलाम, गेंजो हुपेंडी सहित सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपनी रूचि अनुसार ड्राईविंग, काष्ठशिल्प कला, सिलाई मशीन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उनका नियमितरूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है।

पुनर्वास कैंप के नोडल अधिकारी श्री विनोद अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के निर्देशानुसार आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20-20 के बैच में चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सभी को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य में मशरूम उत्पादन, बागवानी सहित विभिन्न सृजनात्मक एवं स्वरोजगार मूलक पाठ्यक्रमों में जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस तरह आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों को राज्य शासन द्वारा अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर तथा स्वरोजगारमूलक सकारात्मक कार्यों से जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मौका मिल सके।

लेखक सहायक संचालक जनसंपर्क हैं

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

अब 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी राम चरण की फिल्म पेड्डी

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के फैंस के लिए गुड न्यूज हैं। राम चरण की आगामी एक्शन स्पोर्ट्स ड्रामा पेड्डी की नई रिलीज डेट आ गई है। मेकर्स ने फिल्म के नए पोस्ट के साथ नई रिलीज डेट से पर्दा हटाया है। फिल्म की रिलीज डेट को अप्रैल तक टाल दिया गया है। डायरेक्टर बुची बाबू सना की बेसब्री से इंतजार की जा रही फिल्म पेड्डी के मेकर्स ने बुधवार को अनाउंस किया कि यह जबरदस्त एक्शन एंटरटेनर फिल्म अब इस साल अप्रैल में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने आगामी फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए बताया कि यह फिल्म अब 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वहीं, राम चरण ने भी पेड्डी की नई रिलीज डेट के बारे में जानकारी देने के लिए अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन मे लिखा है, पेड्डी आपसे 30 अप्रैल, 2026 को मिलेंगी। याद दिला दें कि फिल्म के मेकर्स ने पहले अनाउंस किया था कि फिल्म इस साल 27 मार्च को रिलीज होगी। लेकिन अब यह 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मार्च में बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्में रिलीज हो रही हैं, जिनमें से दो बड़ी फिल्में लोगों का ध्यान खींच रही है- पहली रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और एक्टर यश की टॉक्सिक। ये दोनों फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में एक-दूसरे को टक्कर देने उतरेगी। माना जा रहा है कि इन दोनों फिल्मों के टकराव से बचने के लिए मेकर्स ने पेड्डी की डेट आगे बढ़ाने का फैसला किए होंगे। बता दें पेड्डी की यूनिट ने पिछले साल दिसंबर के आखिरी हफ्ते में अपना दिल्ली शेड्यूल पूरा कर लिया था। जाने-माने सिनेमैटोग्राफर रत्नावेलु ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दिल्ली के सेट से तस्वीरें पोस्ट की थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि यूनिट ने दिल्ली शेड्यूल को शानदार तरीके से पूरा कर लिया है। पेड्डी में राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वृद्धि सिनेमाज, मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा प्रोड्यूस की गई है। ए.आर. रहमान ने इस फिल्म में म्यूजिक दिया है।

अनिल कपूर ने मिलाया जूनियर एनटीआर से हाथ, दुनिया देखेगी 2 धुरंधरों का कमाल

बॉलीवुड में अनिल कपूर और साउथ में जूनियर एनटीआर का जलवा किसी से छिपा नहीं है। दोनों सितारे साथ में फिल्म करने वाले हैं, इस खबर ने अभी से लोगों की खुशी सांतवें आसमान पर पहुंचा दी है। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अनिल और एनटीआर एक फिल्म में नजर आएंगे। दोनों को वॉर 2 में देखा गया था। बड़ी खबर है कि एनटीआर की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म ड्रैगन में, अनिल शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रैगन की शूटिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही है जिसमें अफ्रीका और अन्य विदेशी शहर शामिल हैं। अनिल के फिल्म से जुड़ने और शुरुआती कास्टिंग से पता चला है कि अन्य भारतीय कलाकार भी इस परियोजना का हिस्सा बन सकते हैं।

हालांकि, निर्माता अभी भी स्क्रिप्ट को आखिरी प्रारूप देने में लगे हैं। निर्देशन की जिम्मेदारी प्रशांत नील ने संभाली है जो पूर्व में, सालार और केजीएफ फ्रैंचाइजी बनाकर दिल जीत चुके हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ड्रैगन में अनिल को खलनायक या सहायक किरदार के रूप में देखा जा सकता है। फिलहाल तो उनकी और एनटीआर की फिल्म में एक साथ उपस्थित ने लोगों की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। यह एक पैन इंडिया फिल्म होने वाली है जिसे कई भाषाओं के साथ दुनियाभर में रिलीज किया जाएगा। हालांकि निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है।

गोलमाल 5 में करीना कपूर की वापसी पक्की, रोहित शेट्टी की सबसे बड़ी पलटन तैयार

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल 5 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी पक्की हो गई है, जो एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस बार रोहित शेट्टी ने अक्षय कुमार को भी इस फिल्म से जोड़कर एक बड़ा कास्टिंग धमाका किया है। अजय, अक्षय और करीना जैसे सितारों के साथ गोलमाल 5 की ये पलटन अब तक की सबसे बड़ी टीम मानी जा रही है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया, करीना की कास्टिंग में थोड़ा समय लगा, क्योंकि तारीख और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत चल रही थी। रोहित शेट्टी और अजय देवगन उन्हें फिल्म में लेने के लिए बेहद उत्सुक थे, वहीं करीना भी गोलमाल फ्रेंचाइजी में लौटने को लेकर उत्साहित थीं। रोहित की टीम ने करीना के लिए एक बेहद मजेदार और अनोखा रोल तैयार किया है, जिसके लिए आखिरकार बात बन गई है। ट्रेड पंडितों का मानना है कि गोलमाल 5 को लेकर पहले ही काफी उत्साह था, क्योंकि इसके सभी पिछले चारों भाग सफल रहे हैं। अब अक्षय की एंट्री और करीना की वापसी ने फिल्म के प्रति रोमांच को दोगुना कर दिया है। जानकारों का मानना है कि ये करिश्मा केवल रोहित ही कर सकते थे। अपनी जबरदस्त साख और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बेमिसाल रिकॉर्ड के दम पर उन्होंने बॉलीवुड सितारों के इस महा-संगम को मुमकिन कर दिखाया है।

भूमि पेडनेकर ने दर्शकों पर फोड़ा अपनी फ्लॉप फिल्मों का ठीकरा!

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी वेब सीरीज दलदल को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन इस बीच उन्होंने अपनी फ्लॉप फिल्मों के बहाने दर्शकों पर जमकर निशाना साधा है। भूमि ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्मों भीड़ और अफवाह की बॉक्स ऑफिस असफलता के लिए सीधेतौर पर दर्शकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि लोग इस तरह की अच्छी फिल्मों का समर्थन ही नहीं करेंगे तो अच्छा सिनेमा बनना ही बंद हो जाएगा।

भूमि ने अनुभव सिन्हा के निर्देशन वाली अपनी फिल्म भीड़ और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ आई अफवाह का उदाहरण देते हुए अपना दर्द बयां किया। ये दोनों फिल्में समीक्षकों द्वारा काफी सराही गई थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रहीं। भूमि ने कहा, जब भीड़ और अफवाह जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ देती हैं तो दिल टूट जाता है। ऐसी फिल्मों की सफलता की पूरी जिम्मेदारी दर्शकों पर होती है, ना कि केवल फिल्म निर्माताओं पर।

भूमि ने सीधे बॉलीवुड के मौजूदा बिजनेस मॉडल और दर्शकों की बदलती पसंद पर सवाल उठाए हैं। भूमि का तर्क है कि आजकल फिल्म की क्वालिटी से ज्यादा इस बात पर चर्चा होती है कि उसने पहले दिन कितने करोड़ कमाए। अगर कोई फिल्म (जैसे भीड़ या अफवाह) पहले दिन 10-20 करोड़ की ओपनिंग नहीं लेती तो उसे तुरंत फ्लॉप मान लिया जाता है। इससे नए निर्देशकों और लीक से हटकर कहानियों का गला घुट रहा है।

बॉक्स ऑफिस के उतार-चढ़ाव के बीच भूमि ने साफ कर दिया है कि वो अपनी फिल्मों की पसंद को लेकर बिल्कुल भी पछतावे में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनका फिल्मी सफर विविधता से भरा रहा है और वो इसे लेकर काफी गर्व महसूस करती हैं। भूमि का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाना और अपनी विशिष्ट प्रतिभा को निखारना ही उनकी असली प्राथमिकता है। वो कभी खुद को एक दायरे में नहीं बांधेंगी।

भले ही हाल के दिनों में कंटेंट आधारित फिल्मों को संघर्ष करना पड़ा हो, लेकिन भूमि बॉलीवुड के भविष्य को लेकर काफी आशावादी हैं। उन्हें लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री अब बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। भूमि के मुताबिक, दर्शकों और निर्माताओं के बीच एक नया तालमेल बन रहा है, जो आने वाले समय में सिनेमा की तस्वीर बदल देगा। इसी सोच के साथ भूमि दलदल लेकर आ रही हैं, जो 30 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई।

अल्लू अर्जुन की फिल्म एए23 में होगी श्रद्धा कपूर की एंट्री?

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए पर्दे पर धमाका करते दिखेंगे। एक तरफ उनकी फिल्म फिल्म एए22×ए6 का इंतजार किया जा रहा है जिसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में दिखाई देंगी। दूसरी तरफ अल्लू अपनी दूसरी फिल्म एए23 को लेकर चर्चा में हैं जिसका आधिकारिक ऐलान कुछ दिन पहले किया गया था। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म पर बड़ा अपडेट आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्शन से भरपूर फिल्म एए23 में अल्लू के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर यह चर्चाएं लोगों का खूब ध्यान खींच रही हैं। निर्माताओं ने भले आधिकारिक तौर पर ऐलान न किया हो लेकिन फैंस इस फ्रेश जोड़ी को एक साथ देखने के लिए अभी से उत्साहित हो रहे हैं। बता दें कि एए23 फिल्म का अस्थायी नाम है, जिसका शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

अर्जुन और लोकेश के सहयोग वाली फिल्म एए23 का आधिकारिक ऐलान 14 जनवरी को किया गया था। निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर छोटा सा टीजर वीडियो जारी किया था और बताया था कि फिल्म की शूटिंग इसी साल 2026 से शुरू होगी। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर संभालेंगे। पुष्पा फ्रैंचाइजी की तरह अल्लू की एए23 भी एक पैन इंडिया फिल्म होगी जिसके लिए निर्माताओं ने तैयारी शुरू कर दी है।

पर्यावरण संरक्षण और बर्ड वॉचिंग पर विशेषज्ञों का मंथन

रुद्रपुर(आरएनएस)। गांधी पार्क में आयोजित सरस आजीविका मेले के तीसरे दिन पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली और बर्ड वॉचिंग विषयों पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्कूली बच्चों और आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए उपयोगी जानकारी दी। प्रकृति विज्ञान पहल संगठन के निदेशक डॉ. रमन ने 'सस्टेनेबल लाइफस्टाइल के लिए व्यवहार में बदलाव' विषय पर कहा कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत बदलाव, जैसे संसाधनों का संतुलित उपयोग, प्लास्टिक का कम प्रयोग और ऊर्जा की बचत, पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। पक्षी प्रेमी राजेश भट्ट ने कहा कि पक्षी जैव विविधता के महत्वपूर्ण सूचक हैं और उनके व्यवहार व आवास को समझना संरक्षण के लिए आवश्यक है। राजीव बिष्ट ने बर्ड वॉचिंग से जुड़े रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। सेवानिवृत्त मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वन विभाग केएस सजवाण ने 'एथिकल बर्डिंग' की अवधारणा समझाते हुए पक्षियों को बिना विचलित किए अवलोकन करने पर जोर दिया। नानकमत्ता पब्लिक स्कूल की छात्रा जिया कठायत ने बच्चों को प्रकृति और पक्षियों से प्रेम का संदेश दिया। प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी ने पर्यावरण संतुलन में जनसहभागिता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर, एसडीओ वन शशि देव सहित वन विभाग के कार्मिक, स्कूली विद्यार्थी और आमजन उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली, मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका और मिनी कर्मचारी संगठन उत्तराखंड के बैनर तले जनपद की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री रेखा आर्या के नाम ज्ञापन भेजा। गांधी पार्क चौघानपाटा से शिखर तिराहे तक निकाली गई रैली में जनपद के विभिन्न विकासखंडों की बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मानदेय बढ़ाने, कटौती रोकने और बायोमेट्रिक व्यवस्था से छूट देने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में राज्य सरकार की ओर से 140 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि की जाए और केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रतिदिन बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की व्यवस्था लागू करने से पहले खातों से 300 रुपये की प्रस्तावित कटौती न किए जाने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने बायोमेट्रिक मशीन से जोड़ने के प्रस्ताव का भी विरोध जताया।

सू- दोकू क्र.046

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भव्य शिव कॉरिडोर से रुद्रपुर को मिलेगी नई पहचान: मेयर

रुद्रपुर(आरएनएस)। मेयर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणाएं रुद्रपुर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल देंगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित भव्य शिव कॉरिडोर सहित पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं शहर को आस्था, पर्यटन और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएंगी।

मेयर ने प्रस्तावित शिव कॉरिडोर में शामिल नीलकंठ धाम में रुद्राभिषेक किया। इसके बाद नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे और नगर निगम टीम के साथ नीलकंठ धाम, शिव मंदिर, गोल्ज्यू मंदिर व गुरुचांद मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर कार्ययोजना पर चर्चा की। इसके बाद पत्रकार वार्ता में मेयर ने बताया कि गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मानसखंड कॉरिडोर के तहत गंगापुर रोड स्थित नीलकंठ धाम, गोल्ज्यू मंदिर और शिव मंदिर को जोड़ने की घोषणा की है। इन मंदिरों को त्रिभुजाकार स्वरूप में विकसित कर 51 फुट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की जाएगी और अलग मार्ग का निर्माण होगा। मेयर ने कहा कि नीलकंठ धाम की भूमि को लेकर लगाए गए आरोप निराधार साबित हुए हैं। हाल ही में छह एकड़ भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है, जहां शिव कॉरिडोर साकार होगा।

यह परियोजना रुद्रपुर को प्रदेश में आस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी और पर्यटन को बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि खेड़ा क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त भूमि पर पर्यावरण मित्रों के लिए आधुनिक आवास बनाए जाएंगे। भूरारानी रोड व गंगापुर रोड का चौड़ीकरण, अटरिया मोड़ से इंदिरा कॉलोनी तक मिनी बाईपास, किच्छा रोड पर बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नगर निगम भवन पुनर्निर्माण, 52 वार्डों में विकास कार्य, आठ आरोग्य मंदिर, बजाज सखी स्किल सेंटर, निगम बाजार, गौशाला, स्वच्छता वाहन, स्ट्रीट लाइट, वेंडिंग जोन, फ्रेश वेस्ट प्लांट, देवभूमि रजत जयंती पार्क, ओपन जिम, घंटाघर चौक व आंबेडकर पार्क सौंदर्यीकरण सहित 100.03 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया है। पत्रकार वार्ता में नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, महंत प्रकाश जी, शिव कुमार राय, पार्षद सुशील चौहान, चिराग कालरा, हरि अधिकारी और एमपी मौर्य उपस्थित रहे।

डीडी चौक बनेगा डमरू चौक, 24 लाख रुपये होंगे खर्च मेयर विकास शर्मा ने बताया कि त्रिशूल चौक की स्थापना के बाद अब डीडी चौक को 24 लाख रुपये की लागत से डमरू चौक के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास के साथ कार्य प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि शहर के सौंदर्यीकरण और धार्मिक पहचान को सशक्त बनाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ऋषिकेश में एमडीडीए ने चार भवन सील किए

ऋषिकेश(आरएनएस)। विस्थापित पशुलोक क्षेत्र में निर्मल ब्लॉक-बी और हरिद्वार रोड पर चार भवनों को मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सील कर दिया है। इनमें दो भवन बिना प्राधिकरण के अनुमति के बन रहे थे। जबकि, दो बहुमंजिला इमारतों का बिना नक्शा पास कराए निर्माण किया जा रहा था। अचानक हुई इस कार्रवाई से न सिर्फ विस्थापित, बल्कि आसपास क्षेत्र में भी हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। एसडीएम योगेश मेहरा के मुताबिक एमडीडीए की ओर से क्षेत्र में बहुमंजिला इमारतों के निर्माण में तय मानकों की जांच के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें यह निर्माण अनाधिकृत रूप से होते हुए मिले थे। उन्होंने बताया कि निर्मल ब्लॉक-बी में सुमित मल्होत्रा और जय सिंह चौहान बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण करा रहे थे। जबकि, इसी ब्लॉक में अमर स्वीकृत मानचित्र से इतर निर्माण करा रहे थे। इसी तरह का मामला आलोक व संजय गोयल की बहुमंजिला इमारत से जुड़ा सामने आया, जिस पर प्राधिकरण की टीम ने सीलिंग की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि नियमों के उल्लंघन की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती है।

एआरटीओ कार्यालय में मिली गंदगी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में गंदगी मिली। फाइलों के रखरखाव में लापरवाही और उपस्थिति पंजिका में खामियां देखने को मिली। इस पर डीएम नाराज हो गए और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द व्यवस्थाओं में सुधार लाने को कहा। जिलाधिकारी ने एआरटीओ कार्यालय के नवीन निर्माणाधीन भवन और ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक परिसर पहुंचकर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। यहां काम पूरी तरह बंद मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई। करोड़ों की लागत से बन रहे प्रोजेक्ट में शिथिलता देख डीएम ने आरआई को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने तकनीकी कार्यों के संचालन में हो रही देरी और अव्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए रिपोर्ट तलब की। चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से सुचारू नहीं हुआ तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता को देखते हुए इसका थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और अन्य कार्यों के लिए आए लोगों के साथ सीधे बात करके विभिन्न सेवाओं के लिए जा रहे शुल्क की जानकारी ली।

दो वर्षीय तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स के लिए 10 युवा चयनित

कोटद्वार(आरएनएस)। नैनीडांडा ब्लॉक के अंतर्गत अदालीखाल में बेरोजगार युवाओं के लिए भारत सरकार के सीएसटी स्कीम के तहत ट्राइब्रोस कंपनी की ओर से दो वर्षीय तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 10 युवाओं का चयन किया गया। मां डिफेंस एकेडमी परसोली (गोलीखाल) के कर्नल रामरतन सिंह नेगी (से.नि.), जीवन भट्ट, संजय बवाड़ी, हेमचंद्र पांडेय की देखरेख में लिखित परीक्षा हुई। जिसमें दूर दराज ग्रामीण इलाके से 10वीं, 12वीं पास 18 से 23 आयुवर्ग के 20 युवाओं ने प्रतिभाग किया। लिखित परीक्षा के आधार पर इंडस्ट्रियल फीटर और ऑटोमोटिव वेल्ड तकनीशियन कोर्स के लिए 10 युवाओं का चयन किया गया। जानकारी दी गई कि प्रशिक्षण के दौरान चयनित अभ्यर्थी को कंपनी की ओर से 13 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय के अलावा कैंटीन, यूनिफॉर्म, इंश्योरेंस व अध्ययन सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

भू-वैज्ञानिक सर्वे के बाद ही मिलेगी भवन-होटल निर्माण की अनुमति

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा आपदा प्रभावित धराली के कुछ प्रभावित परिवारों के लोग अपनी निजी भूमि पर अपना भवन और होटल बनाना चाहते हैं। इसके लिए वहां पर पहले भू-वैज्ञानिक सर्वे करवाया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों की मांग पर 20 प्रभावित परिवारों की प्रथम सूची भू-वैज्ञानिक के लिए भेज दी गई है। वहीं डीएम ने सिंचाई विभाग की ओर से प्रभावित क्षेत्र में कार्य नहीं करने पर अधिकारियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने आपदा प्रभावित धराली में कार्यों और मुआवजा संबंधी प्रक्रिया की समीक्षा बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग की ओर से बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं किए जाने व आपदा जोन में विभागीय भूमि का चिह्नीकरण न करने पर नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों को जल्द ही कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम को निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारियों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत नोटिस जारी किए जाए। डीएम ने व्यावसायिक प्रभावितों की राहत राशि उनके खातों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि व्यावसायिक प्रभावितों के बैंक खाते सहित अन्य आवश्यक विवरण एकत्र किए जा रहे हैं। प्रक्रिया पूर्ण होते ही आरटीजीएस के माध्यम से धनराशि सीधे उनके खातों में भेज दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को सेब उत्पादन, होम-स्टे और डेयरी गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने झाला,जानकीचट्टी और दोबाटा में भी सामुदायिक शेड निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम मुक्ता मिश्र, एसडीएम शालनी नेगी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुसाईं, प्रबन्धक रीप कपिल उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

बहू ने करवाई सास की हत्या

हमारे संवाददाता

नैनीताल। घर में हुए मामूली विवाद ने इतना विकराल रूप ले लिया कि एक बहू ने अपने परिजनों द्वारा सास की ही हत्या करा दी गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मामला हल्द्वानी के दिनेशपुर क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार यहां एक मामूली घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जब पति-पत्नी के झगड़े में पत्नी के भाइयों और परिजनों ने पति के साथ-साथ उसकी 70 वर्षीय बुजुर्ग मां को भी जमकर पीट दिया। गंभीर चोटिल बुजुर्ग महिला संध्या को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर 4 के निवासी सोनू की अपनी पत्नी सुरभी से तीखी बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर सुरभी ने अपने मायके वालों को फोन कर स्थिति बताई। बीती देर रात सुरभी के मायके से कई लोग उसके ससुराल पहुंचे और सोनू पर हमला बोल दिया। बीच-बचाव करने आई सोनू की 70 वर्षीय मां संध्या को भी नहीं बख्शा गया। मारपीट इतनी तेज थी कि संध्या बुरी तरह घायल हो गईं। घायल अवस्था में उन्हें 108 एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आज पुलिस क्षेत्राधिकारी डीआर वर्मा और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू कर दी। आरोपित पक्ष के कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

दिगम्बर धीमान हत्याकाण्डः

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही हत्या के कारणों का चलेगा पताःडोबाल

संवाददाता

देहरादून। दिगम्बर धीमान हत्याकाण्ड के मामले में एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने कहा कि हत्यारोपियों गिरफ्तारी के बाद ही हत्या के कारणों का पता चलेगा।

उल्लेखनीय है कि बसंत विहार थाना क्षेत्रान्तर्गत शास्त्रीनगर में रहने वाले दिगम्बर धीमान नौ फरवरी से लापता था। परिजनों ने 11 फरवरी को उसकी गुमशुदगी दर्ज करायी थी। एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और लोकेशन के आधार पर पुलिस ने एक टैक्सी चालक को हिरासत में लिया जिसकी कार मे चारों युवकों ने दिगम्बर की लाश को ठिकाने लगाया था। पुलिस हिरासत मे पूछताछ करने पर एक के बाद एक कडी खुलनी शुरू हो गयी। टैक्सी चालक राजनंदन की निशानदेही पर हरिद्वार के श्यामपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत चिडियापुर के जंगल से युवक का शव मिल गया। शव को रेत में दबाकर छिपाया गया था। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि दिगम्बर अपने चार दोस्तों हेमंत सेमवाल, अंकित, संजू व आदिल के साथ पार्टी करने के लिए नेहरू कालोनी के खड्डा कालोनी गया था। जहां सभी ने शराब पी। इसी दौरान कहासुनी होने पर गुस्साएं दोस्तों ने दिगम्बर के सिर पर बेसवाल के बैट से वार कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी थी। आज यहां एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि टैक्सी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन असली वजह तो चारों हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगी कि उन्होंने किस बात से नाराज होकर दिगम्बर की हत्या की है।

चोरगलिया का चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। डंपर से की गयी बैटरी चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी बैटरी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज नाजिम पुत्र तस्लीम खान निवासी अंबेडकर नगर वार्ड नंबर 1 थाना लालकुआं, नैनीताल द्वारा थाना चोरगलिया में तहरीर देकर बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके डम्पर से बैटरी चोरी की गई है। मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीती रात एक सूचना के बाद उक्त चोरी में शामिल आरोपी आदित्य कुमार उर्फ विक्की पुत्र रमेश लाल निवासी धर्मगढ़, थाना चोरगलिया जिला नैनीताल को रेखाल खत्ता को जाने वाले कच्चे मार्ग पर चोरी हुई बैटरी के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री चैम्पियन ट्राफीः देहरादून को मिला विजेता ट्राफी व 5 लाख रुपये का चेक

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ननूरखेड़ा, देहरादून में मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी 2025-26 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देहरादून जनपद को विजेता ट्रॉफी एवं 05 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भव्य समापन केवल एक प्रतियोगिता का अंत नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के उज्ज्वल खेल भविष्य की नई शुरुआत है। खेल आयोजन आज हमारे गाँव-गाँव, न्याय पंचायतों और दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उत्तराखंड में खेल प्रतियोगिताएं अब जनचेतना का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि भी बन चुका है। इस आयोजन में 11 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खिलाड़ियों के खातों में भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है। उत्तराखंड को देवभूमि के साथ खेलभूमि के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर आगे बढ़ी है। 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल और भव्य आयोजन इसका सशक्त प्रमाण बना है, जिसने उत्तराखंड का मान पूरे देश में बढ़ाया है। इन खेलों में हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 7वाँ स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आधुनिक और विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है।

हमारे स्टेडियम, प्रशिक्षण केंद्र और सुविधाएँ अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए भी सक्षम हो चुकी हैं। सरकार द्वारा राज्य में स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान पर कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियाँ स्थापित की जाएँगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की नई खेल नीति में खिलाड़ियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रावधान किए गए हैं। हल्द्वानी में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई जा रही है। इसमें खिलाड़ी आधुनिक कोचिंग, खेल विज्ञान और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना और मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को मासिक छात्रवृत्ति के साथ-साथ खेल उपकरण खरीदने के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें तैयार करने वाले प्रशिक्षकों का भी पूरा ध्यान रख रही है। उनके मानदेय और प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी की गई है, ताकि वे और बेहतर ढंग से नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मान देने के लिए "उत्तराखंड खेल रत्न", "द्रोणाचार्य पुरस्कार" और "हिमालय खेल रत्न" जैसे सम्मान भी दिए जा रहे हैं, जिससे खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की मेहनत को सही पहचान मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष से खेल महाकुंभ तथा अन्य राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में आवेदन करने पर 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, खेल निदेशक डॉ. आशीष चौहान, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी देहरादून अभिनव शाह एवं खेल विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

फर्जी कागजात बनाने वाले जन सेवा केन्द्र से एक गिरफ्तार

इलेक्ट्रानिक उपकरणों एवं भारी मात्रा में फर्जी प्रमाण पत्र बरामद

संवाददाता

देहरादून। फर्जी आधार कार्ड, पेन कार्ड बनाने वाले जन सेवा केन्द्र पर एसटीएफ ने छापा मारकर वहां से एक को गिरफ्तार कर भारी संख्या में फर्जी कागजात जब्त किये।

मिली जानकारी के अनुसार अपर पुलिस अधीक्षक एस.टी.एफ. विवेक कुमार के पर्यवेक्षण में पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ आर.बी. चमोला के दिशा-निर्देश में निरीक्षक विकास चौधरी, एसटीएफ कुमाऊं यूनिट के नेतृत्व में एसटीएफ टीम के द्वारा थाना ट्रांजिट कैम्प में फर्जी तरीके से बनाये जा रहे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मार्कशीट के अवैध कारोबार में सम्मलित एक जन सेवा केन्द्र को थाना ट्रांजिट कैम्प पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही में सीज किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस.टी.एफ. अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ टीम द्वारा थाना ट्रांजिट कैम्प, जनपद उधमसिंहनगर स्थित गंगवार जन सेवा केन्द्र में छापामारी की कार्यवाही की गयी, जन सेवा केन्द्र में कम्प्यूटर में फर्जी तरीके से मार्कशीट बनाते हुये 01 व्यक्ति चेतन कुमार पुत्र राजपाल निवासी ग्राम एंचौरा थाना पटवाई जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर उसके द्वारा बताया गया कि वह यह जन सेवा केन्द्र पिछले एक साल से चला रहा है, ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र सिडकुल के नजदीक होने तथा अत्यन्त भीड़-भाड़ वाला क्षेत्र होने के कारण यहां बाहरी राज्यों से आकर कई लोग सिडकुल में नौकरी करने हेतु रहने लगे है। सिडकुल में प्राथमिकता उत्तराखण्ड राज्य के लोगों को नौकरी में रखने की होती है तो बाहरी राज्यों से आये लोग यहां का आधार कार्ड एवं मार्कशीट बनवाने आते रहते है। उसके द्वारा बताया गया कि वह एक प्रोग्राम एप्लीकेशन के जरिये कस्टमर की फोटो लेकर कस्टमर द्वारा बताये गये नाम व पते को एडिट उसका आधार कार्ड प्रिंट निकालकर मुंह मांगे दामों पर दे देता है। दुकान की तलाशी लेने पर 55 प्लास्टिक के पैन कार्ड, 42 आधार कार्ड तथा 09 मार्कशीटे बरामद की गयी। उसके जन सेवा केन्द्र से भारी मात्रा में आधार कार्ड व पैन कार्ड बरामद हुये है, जिनको चैक करने पर सभी आधार कार्ड में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के पते अंकित होना पाया गया, जिनसे चेतन द्वारा कूटरचित किया जाना था। उसके विरूद्ध थाना ट्रांजिट कैम्प पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया तथा फर्जी तरीके से चल रहे गंगवार जन सेवा केन्द्र को सीज किया गया, अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। उससे पूछताछ के दौरान यह भी ज्ञात हुआ कि बाहरी राज्यों के व्यक्ति उत्तराखण्ड में आकर अपने आधार कार्ड में अपना नाम पता परिवर्तित करावा कर उत्तराखण्ड राज्य का आधार कार्ड बनवाकर यहां फर्जी तरीके से सिडकुल में नौकरी कर रहे है।

एक ही व्यक्ति विशेष का जन औषधि केंद्र व मेडिकल स्टोर दोनों के लाइसेंस निरस्त

संवाददाता

देहरादून। एक ही व्यक्ति विशेष का जन औषधि केन्द्र व मेडिकल स्टोर होने पर जिलाधिकारी के निर्देश संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल कुमार के द्वारा दोनों के लाइसेंस निरस्त किये गये।

विगत माह 04 दिसम्बर 2025 को जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित जनता दर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रायपुर स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संबंध में शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में जन औषधि केंद्र पर दवाओं की उपलब्धता न होने तथा केंद्र संचालक द्वारा निकट ही एक निजी मेडिकल स्टोर संचालित किए जाने का उल्लेख किया गया था। प्राप्त शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल कुमार एवं वरिष्ठ औषधि निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाई गई, जिनमें जन औषधि केंद्र संचालक बलवीर सिंह रावत द्वारा सीएचसी परिसर के भीतर जन औषधि केंद्र एवं लगभग 25 मीटर की दूरी पर मै. रावत मेडिकोज नाम से निजी मेडिकल स्टोर का संचालन किया जाना, जिससे हितों का टकराव

❑निजी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने के लिए विवश थे आमजन
❑जिला प्रशासन की कार्रवाई से सकते में हैं दवा माफिया

की स्थिति उत्पन्न होना पाया गया। जन औषधि केंद्र में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पीएमबीआई के आधिकारिक सॉफ्टवेयर का उपयोग न किया जाना तथा बिलिंग कार्य मैनुअल रूप से किया जाना। दवाओं की मांग एवं आपूर्ति प्रक्रिया को नियमानुसार पोर्टल के माध्यम से संचालित न कर अनौपचारिक रूप से व्हाट्सएप के माध्यम से किया जाना। दवाओं की कमी के संबंध में नियमानुसार प्रयास न किए जाने से मरीजों को सस्ती दवाओं के स्थान पर बाहर स्थित निजी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने के लिए विवश होना पड़ा, जिससे निजी लाभ की स्थिति परिलक्षित हुई। स्टॉक पंजिका एवं इन्वेंट्री का रख-रखाव व्यवस्थित न पाया जाना। लाइसेंस निर्गमन / नवीनीकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों में विसंगतियां, जिनमें एक ही रेफ्रिजरेटर बिल का उपयोग, एसी की कार्यशील स्थिति संबंधी गलत घोषणा तथा किरायानामा की अवधि समाप्त होने के बाद अद्यतन अनुबंध अपलोड न किया जाना शामिल है। अनियमितताओं के आधार पर वरिष्ठ औषधि निरीक्षक द्वारा जनहित में बलवीर सिंह रावत को निर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र एवं निकटवर्ती मै० रावत मेडिकोज के औषधि विक्रय लाइसेंस निरस्त किए जाने की संस्तुति की गई है। जिला प्रशासन जनहित में सस्ती एवं सुलभ दवा उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुआवजा सजा का विकल्प नहीं: सुप्रीम कोर्ट

कार्यालय संवाददाता

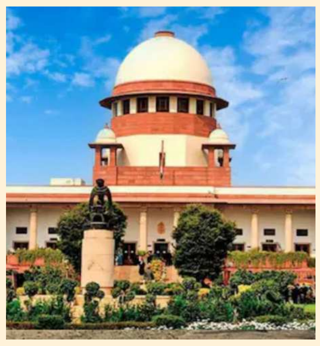

नई दिल्ली। आज के समय में कुछ अपराधी ऐसे होते हैं जो पीड़ित को पैसे देकर जेल के सलाखों से बच जाते हैं। ऐसा ही कुछ मद्रास हाई कोर्ट ने किया था। उन्होंने पीड़ित को मुआवजा दिलाने का फैसला किया था। पर मामला जब पहुंचा तो सुप्रीम कोर्ट ने इसका ऐसा जवाब दिया है, जो देश की सभी अदालतों के लिए एक बड़ी चेतावनी है। जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने साफ कर दिया कि मुआवजा पीड़ित के राहत के लिए है, न कि अपराधी के लिए फ्री पास, मद्रास हाई कोर्ट के एक पुराने फैसले को रद्द करते हुए शीर्ष अदालत ने साफ कहा कि न्याय की तराजू को पैसों से नहीं तौला जा सकता है। जस्टिस विजय बिश्नोई ने बताया कि मुआवजा केवल पीड़ित की हानि की भरपाई के लिए है और इसका उद्देश्य अपराधी को सजा से बचाना नहीं है। सजा का उद्देश्य अपराधियों को रोकना और समाज में संदेश देना है कि कोई भी सामाजिक नियम तोड़ने पर इसका दंड भुगतेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें हत्या के प्रयास के मामले में तीन साल की जेल को सिर्फ दो महीने में घटा दिया गया था, क्योंकि अपराधियों ने प्रत्येक को 50,000 रुपये मुआवजा देने पर सहमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया कि गंभीर अपराधों में मुआवजा बढ़ाकर सजा घटाना खतरनाक है। इससे समाज को यह संदेश जा सकता है कि अपराधी केवल पैसे देकर अपनी जिम्मेदारी से बच सकते हैं। कई हाई कोर्ट में ये गलत प्रवृत्ति देखी गई है कि वे ट्रायल कोर्ट की सजा को बिना सोच-समझे कम कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनुचित और गलत प्रथा बताया है। कोर्ट ने कहा कि अपराधियों को माफ करने के लिए मुआवजा देना न्याय की भावना के खिलाफ है। यह केवल पीड़ित की राहत के लिए है और सजा की जगह नहीं ले सकता है। सभी अदालतों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सजा और मुआवजा के बीच अंतर साफ रहे और समाज में सही संदेश जाए कि अपराध की कीमत सिर्फ पैसे से नहीं चुकाई जा सकती है।

महिला की अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में प्रसारित की, गया जेल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। महिला की फोटो सोशल मीडिया में प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को दिल्ली से गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बीते 12 फरवरी को एक महिला द्वारा कोतवाली बडकोट पर घनसाली, टिहरी निवासी 1 युवक के खिलाफ सोशल मीडिया पर जान पहचान, अश्लील फोटो तथा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर लगातार प्रसारित करने तथा प्रसारित करने से रोकने के लिए कहने पर जान मारने की धमकी देने के संबंध में एक लिखित तहरीर दी गयी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी यूवक की तलाश शुरू कर दी गयी।

मामला महिला की अस्मिता से जुडा होने तथा प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी के सम्बन्ध में कडे निर्देश दिये गये थे। बडकोट पुलिस की टीम द्वारा मामले में त्वरित कार्यवाही कर पतारसी-सुरागरसी करते हुये सर्विलांस/तकनीकी सहायता से आरोपी युवक मंजीत(25 वर्ष) को जनकपुरी, दिल्ली से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

ट्रक पलटने से कार में लगी आग

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क हादसे में आज सुबह एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक कार पर पलट गया। जिससे वाहनों मे आग लग गयी। गनीमत यह रही कि आग लगने से पहले ट्रक व कार चालक दोनो अपने वाहन से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे।

मामला देहरादून के मोहब्बेवाला चौक का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एक अनियंत्रित ट्रक कार पर पलट गया, जिससे वाहनों में भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगने से पहले कार और ट्रक सवार सुरक्षित निकल गए। जिससे कोई गंभीर हादसा नहीं हो सका। सूचना पर फायर ब्रिगेड और पुलिस ने आग बुझाई। बचाव अभियान पूरा हो गया है और यातायात सामान्य किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि देहरादून के मोहब्बेवाला चौक पर आज सुबह एक अनियंत्रित ट्रक कार के ऊपर पलट गया, जिससे वाहनों में भीषण आग लग गई। हालांकि, गनीमत रही कि आग लगने से पहले कार सवार और ट्रक सवार वहां से बच निकले, जिससे किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन देहरादून की टीम और स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझाया। दमकल विभाग की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है और पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को सामान्य किया जा रहा है

नकली दवाईयां बनाने वाले गिरोह के 3 और सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। ब्रांडेड कम्पनियों के नाम पर नकली दवाएं बनाने व बेचने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए एसटीएफ की टीम द्वारा तीन लोगों को गिरफ्तार

❑अभी तक 16 आरोपी हो चुके है गिरफ्तार

कर लिया गया है। मामले में अब तक एसटीएफ टीम 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय पूर्व एसटीएफ के आलाधिकारियों के निर्देश थे कि नकली दवाईयां बनाने एंव बाजार में विकय करने वाले गैंग की कुंडली तैयार कर उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिसके

उपरान्त विभिन्न ब्रांडेड दवाई कंपनियों की जीवन रक्षक दवाईयों की हूबहू नकल कर नकली दवाईयों को तैयार कर बाजार में विक्रय करने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

मामले में एसएसपी एसटीएफ 1 जून 2025 को प्रतिष्ठित दवाई कम्पनियों के नकली रैपर व नकली आउटर बॉक्स, लेबल एंव क्यूआर कोड भारी मात्रा के साथ एक व्यक्ति संतोष कुमार को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। जिस सम्बन्ध में थाना सेलाकुई जनपद देहरादून में मुकदमा दर्ज है। मामले की गम्भीरता देखते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा इस मुकदमे की जांच थाना सेलाकुई, देहरादून से एसटीएफ को स्थानांतरित की गयी। जिस पर जांच के दौरान एसटीएफ टीम को पता चला कि इस मुकदमें में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी नवीन बसंल उर्फ अक्षय पुत्र महावीर प्रसाद बंसल निवासी भिवाडी राजस्थान ने आरोपी नरेश धीमान, लोकेश गुलाटी, मोहतरम अली से ब्रांडेड कम्पनी की नकली दवाईयां क्रय कर बाजार में विक्रय किया गया है एवं आरोपी नवीन बसंल उर्फ अक्षय के नकली दवाईयों के संगठित अपराध में सहयोग किया गया। जिसके उपरान्त एसटीएफ टीम द्वारा मैनुअली पुलिसिंग से आरोपी नरेश धीमान, लोकेश गुलाटी, व मोहतरम अली को बीते रोज उनके घर रूडकी व देवबन्द में दबिश देकर गिरफ्तार किया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।